बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक अभियान

त्रैमासिक प्रारंभिक कार्यक्रम

कार्यपत्र

(तीसरी कक्षा के लिए)

प्रस्तुतकर्ता
राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, असम
काहिलीपारा, गुवाहाटी-781019
(समग्र शिक्षा, असम के सहयोग से)

KARJYAPATRA : Worksheets for the 3- month readiness programme for class III in Hindi, developed and reviewed by SCERT, Assam through workshops.

ALL RIGHTS RESERVED: No reproduction in any form of this book, in whole or in part (except for brief quotation in critical articles, reviews or research papers) may be made without written authorization from the SCERT, Assam.

ग्रन्थ सत्त्वाधिकार ः राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, असम

प्रथम प्रकाशन ः 2022

प्रकाशक ः

मुद्रण ः

भूमिका

नई शिक्षानीति, 2020 ने बुनियादी स्तर पर साक्षरता और संख्यात्मक बोध के विकास के लिए एक राष्ट्रीय अभियान की शुरुवात की थी। इसके फलस्वरूप भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा सन् 2021 के 5 जुलाई को 'निपुण भारत' अभियान की घोषणा की गयी। इस अभियान के आधार पर असम सरकार ने हमारे राज्य में सन् 2021 के 16 नवम्बर को 'निपुण असम' नाम से उक्त अभियान प्रारम्भ किया। प्राक्-प्राथमिक स्तर से लेकर तीसरी कक्षा तक के विद्यार्थियों को निर्धारित अधिगम परिणामों में दक्षता प्राप्ति हेतु सक्षम बनाना ही इस अभियान का लक्ष्य है।

इसीलिए इस अभियान ने बुनियादी स्तर पर विद्यार्थियों के मौखिक भाषा विकास के साथ ही ध्वनि और वर्ण के समन्वय सम्बन्धी सही ज्ञान की अवधारणा और पठन तथा लेखन दक्षता प्राप्ति पर अधिक महत्व प्रदान किया है।

'निपुण असम' के लक्ष्य तक पहुँचने हेतु समग्र शिक्षा, असम और राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद असम के देख-रेख में कोविड महामारी के प्रभाव के कारण विशेषकर शिशुओं के सुविधार्थ पहली और दूसरी कक्षा में प्रत्यक्ष शिक्षा ग्रहण किए बिना ही उन्हें तीसरी कक्षा में भेजा गया। उनके अधिगम की कमी को पूरा करने हेतु तीसरी कक्षा के लिए एक कार्यपत्र प्रस्तुत किया गया है। इस कार्यपत्र के माध्यम से शिशुओं के अधिगम प्रक्रिया, विशेषकर ध्वनि, वर्ण, शब्द, वाक्य, संयुक्ताक्षर आदि से संबंधित ज्ञान अर्जन में सहायक होने की आशा प्रकट की गयी है। शिशुओं के विविध क्रिया-कलाप, जैसे-ध्वनि और वर्ण का समन्वय, कहानी कथन, वार्तालाप, भंगिमा गीत, पद्य, पहेली, गीत, खेल, संयुक्ताक्षर का ज्ञान आदि अधिगम परिणामों को ध्यान में रखकर प्रस्तुत किया गया है। इन क्रिया-कलापों को शिशु निजी तौर पर करने का प्रयास करेंगे और जरुरत पड़ने पर शिक्षक शिशुओं की सहायता करेंगे। शिक्षक कार्यपत्र में उल्लेखित क्रिया-कलापों के नमूनों के अनुसार साक्षरता सम्बन्धी दक्षता विकास के लिए स्वयं ही क्रिया-कलाप प्रस्तुत कर पाँएगे।

उल्लेखनीय, इस अभियान के जरिए अधिगम में कमी(Learning gap) रह जानेवाले शिशुओं को बुनियादी स्तर पर एक सामग्रिक दृष्टिकोण के माध्यम से शिक्षा के मुख्य धारा तक लाने का प्रयास किया गया है।

(डॉ. निरदा देवी)
निदेशक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद,
असम
काहिलीपारा, गुवाहाटी - 781019

शिक्षकों के लिए निर्देशावली

कार्यपत्र में दिए गए क्रिया-कलापों को कराते समय शिक्षक निम्नलिखित निर्देशावलियों पर ध्यान देंगे -

- कक्षा में शिशुओं से दैनिक क्रिया-कलापों को कराने से पहले उनको प्रस्तुत करने और उनके मौखिक भाषा के विकास हेतु शिक्षक वार्तालाप कराएँगे।
- सबसे पहले शिशुओं के सामने शिक्षक अपना परिचय देंगे और फिर शिशुओं को भी अपना परिचय देने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।
- शिशुओं के घर में कौन-कौन हैं, उनको क्या खाना पसंद है, विद्यालय आते समय उन्हें क्या-क्या देखने को मिला- इसप्रकार के विषयों को लेकर बातचीत आगे बढ़ाएँगे।
- शिशुओं को अधिगम के लिए प्रस्तुत करने के बाद शिक्षक कार्यपत्र के क्रिया-कलापों को निर्देशावली के अनुसार कराएँगे।
- विद्यार्थियों के विकास के लक्ष्य, योग्यता और अधिगम परिणामों को ध्यान में रखकर कार्यपत्र में दिए गए क्रिया-कलापों के नमूने जैसे अन्य कुछ अतिरिक्त क्रिया-कलाप शिक्षक अपनी ओर से करा सकेंगे।
- शिशुओं के अधिगम परिणामों के अनुसार योग्यता प्राप्ति के लिए कार्यपत्र में उल्लेखित भंगिमा गीत, शिशुओं के उपयोगी बातचीत, कहानी आदि को शिक्षक किस प्रकार प्रस्तुत करेंगे, उस बारे में पहले से ही योजना बना लेंगे।
- क्रिया-कलाप कराते समय शिक्षक फलक/बोर्ड आदि का उचित प्रयोग करेंगे और साथ ही कम खर्चेवाले या स्थानीय साधन प्रयोग करने का प्रयत्न करेंगे।
- कार्यपत्र में दिए गए चित्रों के नाम कहते समय या कहानी सुनाते समय जरुरत पड़ने पर शिक्षक शिशुओं की सहायता करेंगे।
- कार्यपत्र कराते समय शिक्षक पहले से ही कहानी या भंगिमा गीत (कार्यपत्र में उल्लेखित या उससे सम्बंधित अन्य कहानी या भंगिमा गीत) का अभ्यास करेंगे ताकि शिशु कार्यपत्र को सफलता पूर्वक कर सकें।
- कार्यपत्र में दिए गए चित्रों को अंकन कर रंग भरते समय जरूरत पड़ने पर शिक्षक सहायता करेंगे।
- शिशुओं को खुले मन से बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

> क्रिया-कलाप कराते समय शिक्षक विशेष जरुरतमंद
> शिशुओं के प्रति विशेष रूप से ध्यान देंगे।

- प्रत्येक सप्ताह के छठे दिन शिशुओं के अधिगम की कमियों को पूरा करने के लिए आवश्यकतानुसार शिक्षक उपयुक्त कदम उठाएँगे। जिन शिशुओं के अधिगम में कमियाँ है, शिक्षक सर्वप्रथम उनकी पहचान करेंगे और फिर उन कमियों को पूरा करने के लिए उचित योजना प्रस्तुत करेंगे। उसके लिए शिक्षक विविध प्रकार के क्रिया-कलाप करा सकते हैं। उदाहरण के रूप में ध्वनि सीखने के लिए विविध जटिल उच्चारण वाले शब्द, अन्ताक्षरी आदि गाने के लिए दे सकते हैं या अधिगम में कमी रह जाने वाले वर्ण या संयुक्ताक्षर को उस दिन के वर्ण या संयुक्ताक्षर के रूप में लेकर क्रिया-कलाप को आगे बढ़ाया जा सकता है, जैसे-'न्द' के अधिगम कमी को पूरा करने के लिए शिक्षक इस संयुक्ताक्षर को दोहराए जानेवाले कहानी, कविता, गीत आदि की सहायता ले सकते हैं। इसके अलावा 'न्द' संयुक्ताक्षर को किस प्रकार अलग किया जा सकता है, उसके बारे में बताएँगे, जैसे-न्द= न+द, न योग द= न्द। दूसरे संयुक्ताक्षरों को भी इसप्रकार कराएँगे।
- प्रत्येक सप्ताह के अंत में शिशु क्या-क्या नए अक्षर/स्वरचिह्न, संयुक्ताक्षर सीखेंगे, उन तथ्यों को लिखकर रखेंगे।
- शिक्षक विभिन्न संयुक्ताक्षरों को सिखाते समय, संयुक्ताक्षर बनाने और अलग करने देंगे।

कार्यपत्र–1 | सप्ताह–1

1. आओ गाएँ –

सूरज निकला मिटा अंधेरा,
देखो बच्चों हुआ सवेरा।
आया मीठी हवा का फेरा,
चिड़ियों ने फिर छोड़ा बसेरा।
जागो बच्चों अब मत सोओ,
इतना सुन्दर समय न खोओ।

2. आओ कविता में उल्लेखित किसी एक वस्तु पर चित्र बनाएँ –

3. आओ चित्रों को उनके नाम के आदि ध्वनि के अनुसार बॉक्स में दिए गए अक्षरों के साथ रेखा खींचकर मिलान करें –

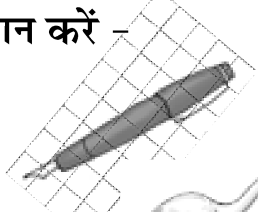

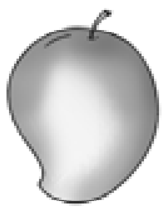

प
ब
र
ख
आ
ल
क

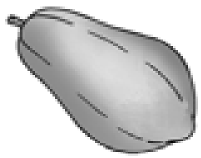
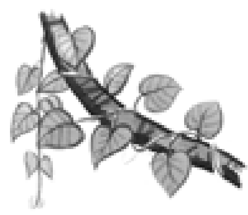

कार्यपत्र–2	सप्ताह–1

1. आओ बगुला और केंकड़ा के बीच हुई वार्तालाप सुनें -

केंकड़ा — बगुला सखी, सुनो, अगर तालाब का पानी सूख गया तो क्या उपाय होगा ?

मछली — तब हमारी क्या दशा होगी ?

बगुला — डरो मत, मैं तुम्हें उड़ाकर ले जाऊँगा उस तालाब तक, जिस तालाब का पानी कभी नहीं सूखता।

केंकड़ा — (मन ही मन सोचा, बगुला का विश्वास नहीं, खुद ही पता लगाना पड़ेगा) बगुला सखी इस बार मुझे भी ले चलो (बगुला केकड़ा को लेकर उड़ चला)

केंकड़ा — नीचे सफेद रंगवाला वह ढेर किसका है ?

बगुला — वह ढेर मेरे लाए गए मछली के काँटों का हैं।

केंकड़ा — (बगुला के चोंच को पकड़कर) सखी तुम न बने अपने, दिखाए झूठे सपने। इतने दिनों से तुमने हमें ठगा, अब पाओ मजा।

*(*शिक्षक ऊपर दिए गए वार्तालाप विद्यार्थियों को सुनाएँगे और चरित्राभिनय करने में सहायता करेंगे।)*

2. आओ चित्रों के साथ नाम मिलाएँ -

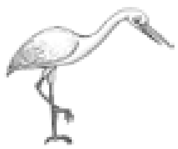

मछली

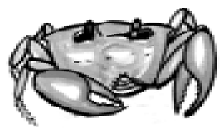

बगुला

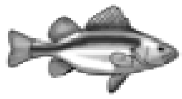

केंकड़ा

3. आओ अक्षरों को जोड़कर पढ़ें और खाली बॉक्स में लिखें -

न	+	ल	→			न	+	ग	+	र	→	
ध	+	न	→			र	+	ब	+	ड़	→	
ज	+	ल	→			अ	+	स	+	म	→	

4. आओ पहले बॉक्स में दिए गए शब्दों को पढ़ें और फिर उनका पहला वर्ण दूसरे बॉक्स में लिखें -

बल	कमल	नगर	लगन
कलम	मटर	जगत	नयन
गगन	चरण	बतख	फसल
जलज	पवन	रबड़	खतम

कार्यपत्र–3 | सप्ताह–1

1. आओ चित्र कार्ड में दिए गए खिलौने के बारे में बताएँ –

* शिक्षक विद्यार्थियों को खिलौना बनाया हुआ एक कार्ड दिखाकर उसके विषय में बताने में सहायता करेंगे।

2. आओ चित्र के साथ उनके नाम मिलान करें –

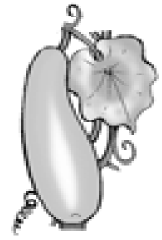
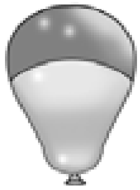

नारियल
लौकी
जहाज
तरबूज
मछली
रेलगाड़ी
कौआ
गुब्बारा

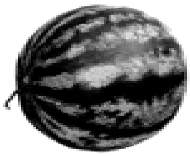

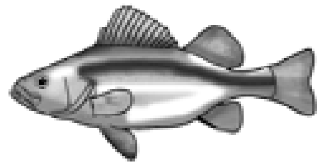

3. आओ नीचे दिए गए अक्षरों के साथ ा– की मात्रा (स्वरचिह्न) जोड़कर खाली जगह भरें–

	ा	ा	ा	ा	ा	ा
ब	बा	बा				
र						
क						
ल						
ज						
त						
न						
म						

4. आओ शब्दों को पढ़ें –

कागज	राक्षस	नायक	बादल	ताल	बात	काजल	गाजर
पालक	दाल	गायक	आराम	तारा	तालाब	धान	हालत

कार्यपत्र–4 सप्ताह–1

1. आओ चरित्राभिनय करें -

* रिमझिम–2, पृष्ठा 19 में दिए गए 'बिल्ली कैसे रहने आई आदमी के संग' पाठ को चरित्राभिनय के साथ वार्तालाप करने में शिक्षक विद्यार्थियों की सहायता करेंगे।

2. आओ ि–की मात्रा (स्वरचिह्न) और ी–की मात्रा (स्वरचिह्न) जोड़कर लिखें -

	ि	ि	ी	ी
न	नि		नी	
ब				
ल				
र				

3. आओ बॉक्स में दिए गए अक्षरों को पढ़ें -

कि	जा	ली	ना	मि	लि
का	चा	जी	रि	बि	री
ति	रा	ला	जि	न	ती
बा	ची	पी	बी	खा	पि
मा	खि	ता	खी	मी	की

4. आओ अक्षरों को जोड़कर पढ़ें और खाली बॉक्स में लिखें -

जा	+	ति	=		खी	+	र	=	
गि	+	रि	=		मी	+	ठा	=	
पि	+	ता	=		ती	+	खा	=	
जि	+	ला	=		ची	+	नी	=	

हमने क्या-क्या सीखा

सप्ताह-1

1. आओ नीचे दिए गए शब्दों को पढ़ें -

लता	मटर	नमक	जाति	लड़की
किताब	खतरा	हाथी	तालाब	हिरन
नाराज	कलश	पालक	मटका	टमाटर
पानी	आसमान	तबला	महिमा	सिपाही

2. आओ अक्षरों को जोड़कर पढ़ें और खाली बॉक्स में लिखें -

आ + द + र = ______

डा + कि + या = ______

ब + क + री = ______

गि + ला + स = ______

3. आओ शिक्षक द्वारा बताएँ गए शब्दों को सुनकर लिखें -

________ ________ ________ ________ ________

4. आओ नीचे दिए गए वर्णजाल से शब्द बनाकर उसमें घेरा लगाएँ -

जैसे——

म	क	प	पी	ता	ई
का	ल	ल	म	क	म
न	म	क	ति	त	ली
ता	ला	ब	क	री	ब

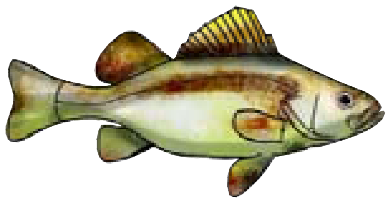

5. आओ साथ मिलकर गाएँ -

मछली जल की रानी है।
जीवन उसका पानी है।।
हाथ लगाओ डर जाएगी।
बाहर निकालो मर जाएगी।।

निर्देशावली : 1) विद्यार्थियों द्वारा सही रूप से पढ़े गए शब्दों की संख्या शिक्षक लिखकर रखेंगे।
2) तीसरा क्रिया-कलाप कराते समय शिक्षक विद्यार्थियों को तीन अक्षरों से बननेवाले पाँच सरल शब्द लिखने देंगे।

कार्यपत्र–1 सप्ताह–2

1. आओ मिलकर गाएँ –

पके पेड़ पर पका पपीता,
पका पेड़ या पका पपीता।
पके पेड़ को पकड़े पिंकु,
पिंकु पकड़े पका पपीता।

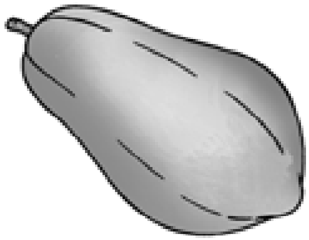

(* विद्यार्थियों द्वारा सरलतापूर्वक गाने के लिए शिक्षक कविता का अभ्यास कराएँगे।)

2. आओ नीचे दिए गए चित्रों के नाम बताएँ और आदि ध्वनि को पहचानकर घेरा लगाएँ –

उल्लू

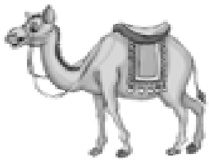
ऊँट

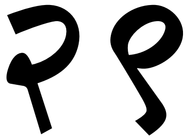

उन्नीस

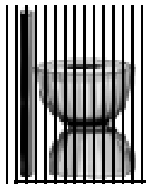
ऊखल

3. आओ नीचे दिए गए चित्रों के नाम बताएँ और स्वरचिह्नयुक्त ध्वनि पहचान कर घेरा लगाएँ–

पुल

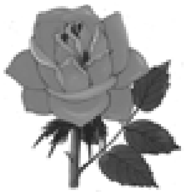
गुलाब

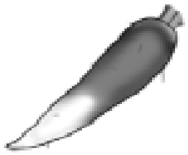
मूली

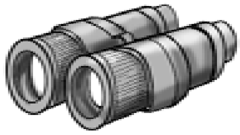
दूरबीन

4. आओ ु – की मात्रा और ू – की मात्रा जोड़कर शब्द लिखें –

कसम ☐☐	मली ☐	सरज ☐	दकान ☐	पल ☐
तराज ☐	सइ ☐	तफान ☐	धनष ☐	आल ☐

5. आओ अक्षरों को जोड़कर पढ़ें और लिखें –

दू + ध → ☐	द + या + लु → ☐
कु + ल → ☐	सु + र + भि → ☐
धू + प → ☐	ना + खू + न → ☐
म + धु → ☐	गु + ड़ि + या → ☐

1. आओ वार्तालाप करें –

* शिक्षक रिमझिम–1, पृष्ठ न. 116-118 के 'सात पूँछ का चूहा' नामक कहानी को कठपुतली या मुखौटा के सहारे विद्यार्थियों को चरित्राभिनय करते हुए वार्तालाप करने में सहायता करेंगे।

2. आओ े की मात्रा और ै की मात्रा जोड़कर पढ़ें और लिखें –

	े	े
म	मे	मेला
र		रेखा
ख		खेल
त		तेली
प		पेड़

	ै	ै
ब	बै	बैल
श		शैशव
म		मैना
ग		गौरैया
स		सैनिक

3. आओ चित्र के साथ रेखा खींचकर मिलान करें –

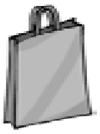
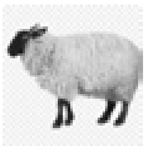

थैला
शेर
नैना
रेलगाड़ी
केला
भेड़
करेला
बैल

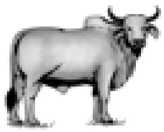
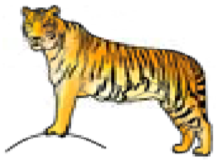

4. आओ चित्रों की सहायता से बॉक्स में दिए गए अव्यवस्थित अक्षरों को सही रूप में लिखें –

ना	नै

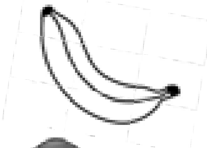

ला	के

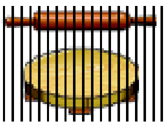

न	बे	ल

नि	सै	क

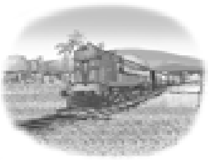

ल	रे	ड़ी	गा

ल	बै	ड़ी	गा

कार्यपत्र–3

सप्ताह–2

1. आओ मिलकर गाएँ –

गौरी बना रही पकौड़ी,
देख रही थी बिल्ली मौसी।
कुत्ता भौंका देखके बिल्ली,
गौरी बाँस उठाकर दौड़ी।

(* विद्यार्थियों द्वारा सरलतापूर्वक गाने के लिए शिक्षक कविता का अभ्यास कराएँगे)

2. आओ चित्र देखकर नाम बताएँ और ो– की मात्रा और ौ– की मात्रायुक्त वर्णों में घेरा लगाएँ –

लोमड़ी

कोयल

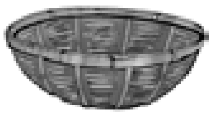

टोकरी

कौआ

चौकीदार

खिलौना

3. आओ ो– की मात्रा और ौ– की मात्रा जोड़कर पढ़ें और लिखें –

क	ो	को	कोमल
घ			__ड़ा
भ			__जन
ढ			__लक
ब			__तल
म			__रनी

फ	ौ	फौ	फौलाद
ग			__शाला
म			__का
द			__ड़ा
प			__धा
म			__सी

4. आओ चित्र देखकर बॉक्स में दिए गए स्वरचिह्नों को जोड़ें और उनके नाम लिखें –

ो

ौ

कार्यपत्र–4

सप्ताह–2

1. आओ खेलें –

पोशम पा भाई पोशम पा
डाकुओं ने क्या किया ?
सौ रूपये की घड़ी चुराई,
आठ आने की रबड़ी खाई।
पोशम पा भाई पोशम पा....

2. आओ चित्र देखकर पढ़ें –

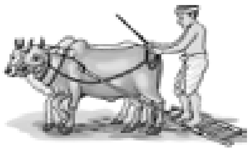

कृषक

यह एक कृषक है।

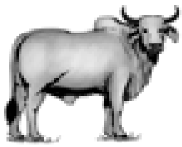

वृषभ

यह एक वृषभ है।

वृक्ष

मृग

वृक्ष के नीचे मृग है।

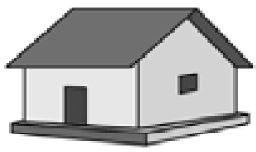

गृह

गृह का अर्थ घर है।

3. आओ ृ– की मात्रा जोड़कर पढ़ें और लिखें –

	ृ	ृ	ृ	ृ
क + ऋ =	कृ			
त + ऋ =				
म + ऋ =				
व + ऋ =				

कृपा	कृषक
मातृ	तृतीय
मृदु	अमृत
वृहद	वृषभ

4. आओ बॉक्स में ृ की मात्रा जोड़कर शब्द बनाएँ –

वक्ष ☐ मग ☐ कषि ☐ पथक ☐

5. आओ वाक्य लिखें –

वृक्ष छाया देती है।

हमने क्या-क्या सीखा

सप्ताह-2

1. आओ चित्रों के नाम लिखें -

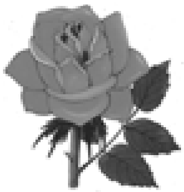
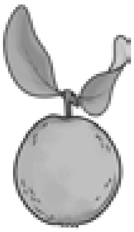
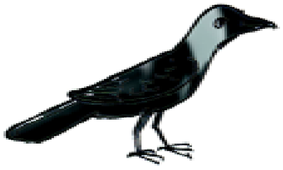

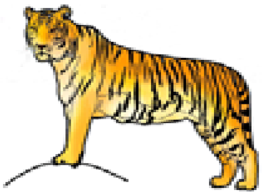

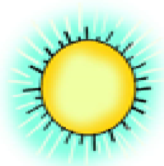

2. आओ वर्णजाल से शब्द चुनकर खाली जगह पर लिखें -

म	क	ई	ख	को	औ
का	ल	ड़	का	य	र
न	म	न	ति	ल	त
खि	लौ	वा	ल	नै	ना
ला	की	म	त	ड़	का
ड़ी	सु	र	भि	बि	हू

3. आओ नीचे दिए शब्दों को पढ़ें -

बोहाग बिहू	बैलगाड़ी
दिवाली	चौकीदार
होली	औलाद

* विद्यार्थियों द्वारा शुद्ध रूप से पढ़ें गए शब्दों की संख्या शिक्षक लिखकर रखेंगे।

कार्यपत्र–1 | सप्ताह–3

1. आओ कविता को मिलकर गाएँ –

वर्षा रानी,
वर्षा रानी,
जल्दी से तुम आओ,
गर्मी से हम
झुलस रहे हैं,
अब तो राहत दे जाओ।

2. आओ ` (रेफ) जोड़कर पढ़ें और लिखें –

र	+	क	=	र्क	र	+	ज	=	
र	+	व	=		र	+	ष	=	
र	+	ण	=		र	+	म	=	

3. आओ नीचे दिए गए वाक्यों को पढ़कर ` (रेफ) वाले शब्दें में घेरा लगाएँ –

सूर्य पूरब में उगता है।
हिमालय पर्वत बहुत ऊँचा है।
नर्मदा एक बड़ी नदी है।
हमेशा अच्छा कर्म करना चाहिए।

4. आओ अंतिम ध्वनि से मेल खानेवाले शब्दों को रेखा खींचकर मिलाएँ –

वर्ण	कार्य
सूर्य	धर्म
कर्म	कर्ण
हर्ष	मैना
नैना	वर्ष

कार्यपत्र–2	सप्ताह–3

1. आओ पढ़ें -

धरती में अनेक प्राणी हैं। उनमें से कुछ घरेलू , कुछ जंगली हैं। गाय, बकरी, बतख, मुर्गा आदि घरेलू प्राणी हैं। जंगली प्राणी वन या जंगल में रहते हैं। जंगल में बहुत सारे पेड़–पौधे भी होते हैं।

2. आओ य- जोड़कर पढ़ें और लिखें -

क	+	य	=	क्य	त	+	य	=	☐
म	+	य	=	☐	ल	+	य	=	☐
प	+	य	=	☐	न	+	य	=	☐

3. आओ खाली बॉक्स में य- जोड़कर संयुक्ताक्षर लिखें और पढ़ें -

क्य	क्य	चाणक्य
क्य	☐	वा__
म्य	☐	का__
त्य	☐	स__
ल्य	☐	मू__
न्य	☐	ध__

4. आओ नीचें दिए गए शब्दों के आदि अक्षर को बदलकर नया शब्द बनाएँ -

ग	र	म	ग	ग	न	गा	य	क
☐	र	म	☐	ग	न	☐	य	क

निर्देशावली : शिक्षक पाठ पहले पढ़ के सुनाएँगे और फिर विद्यार्थियों को पढ़ने देंगे। य- के प्रयोगों से परिचित कराएँगे। दूसरे वर्ण के साथ जुड़ने से 'य' -संयुक्ताक्षर का रूप लेता है यह भी अवगत कराएँगे।

कार्यपत्र-3 सप्ताह-3

1. आओ पढ़ें -

प्रकाश को पढ़ाई के प्रति लगाव है। वह खेल-कूद में भी आगे है। विनम्र छात्र के रूप में भी उसका बड़ा नाम है। प्रकाश बड़ा ही मेहनती लड़का है।

2. आओ संयुक्ताक्षर और संयुक्ताक्षर युक्त शब्दों को बॉक्स में लिखें -

श	+	र	=	श्र	श्रम
प	+	र	=		
ग	+	र	=		
म	+	र	=		
क	+	र	=		
भ	+	र	=		

प्रण, ग्रह, नम्र, क्रय, भ्रम

3. आओ नीचे की तरह दो-दो विद्यार्थियों का दल बनाकर वार्तालाप करें -

नयन — क्या तुम कल विद्यालय आओगे?

सीमा — आऊँगी, कल मेरे साथ अमर भी आएगा।

नयन — अमर कौन है?

सीमा — अमर मेरा भाई है। कल विद्यालय में उसका पहला दिन है।

नयन — बहुत अच्छा होगा। हम एक साथ आ सकेंगे।

4. आओ बोलें और लिखें -

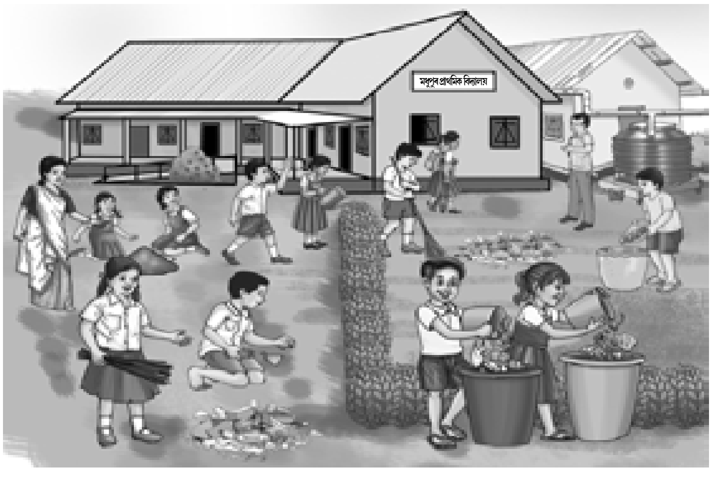

(क) यह नयन का विद्यालय है। हमारे विद्यालय का नाम -

....

....

(ख) नयन सीमा का दोस्त है। मेरे दोस्त का नाम -

....

....

निर्देशावली : शिक्षक 'र' के विविध रूपों के बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराएँगे। (जैसे- क्रम, कर्ण, ट्रक)।

कार्यपत्र-4 सप्ताह-3

1. आओ पढ़ें -

कर्ण का अर्थ है कान।

कान शरीर का एक अंग है।

हम कानों से सुनते हैं।

2. आओ ऊपर दिए गए पाठ्यांश को पढ़कर संयुक्ताक्षर ढूँढ़े और सभी संयुक्ताक्षरों से नए शब्द बनाएँ -

र्ण :	कर्ण		

3. आओ चित्र का नाम खाली स्थान पर लिखकर वाक्यों को पूरा करें -

यह ______है।

वह ______है।

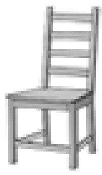
यह ______है।

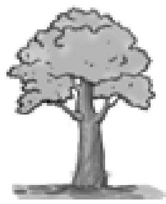
यह ______है।

वह ______है।

4. आओ बिन्दुओं को जोड़कर चित्र पूरा करके उसमें रंग भरें -

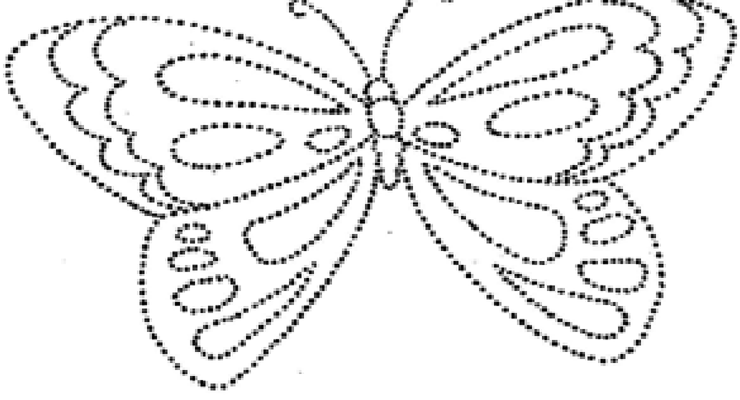

हमने क्या-क्या सीखा

सप्ताह-3

1. आओ पढ़ें -

वाक्य	सौम्य	सत्य	आदित्य
धर्म	वर्ण	धैर्य	पर्वत
नम्र	ताम्र	चक्र	सम्राट

2. आओ चित्र देखकर आदि अक्षर लिखें और शब्द पूरा करें -

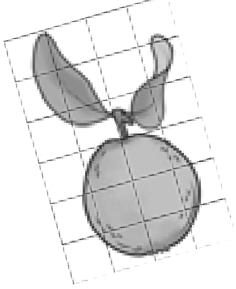

— मरूद

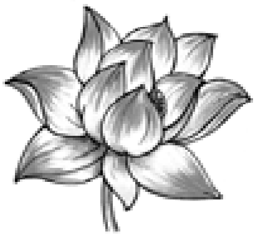

— मल

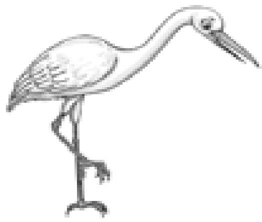

— गुला

— ड़ी

3. आओ संयुक्ताक्षरों को अलग करें और खाली स्थान पर संयुक्ताक्षरयुक्त शब्द लिखें -

र्म	:र + म		
र्य			
र्त			
न्य			
ज्ञ			
श्र			
त्र			

4. आओ नीचे की तरह दो विद्यार्थियों का दो दल बनाकर वार्तालाप करें -

(खाली स्थान पर अपने अनुसार शब्द डालकर बोलेंगे)

विशाल ः मुझे चमेली फूल बहुत पसंद है। तुम्हें कौन-सा फूल पंसद है ?

मै ः मुझे ______ फूल पसंद है।

विशाल ः चमेली फूल की खुशबू बहुत अच्छी है। क्या तुम्हें पता है, अन्य किन-किन फूलों में खुशबू है ?

मै ः हाँ। ______ फूल की भी बहुत अच्छी खुशबू है।

कार्यपत्र-1	सप्ताह-4

1. आओ हाव-भाव के साथ मिलकर गाएँ -

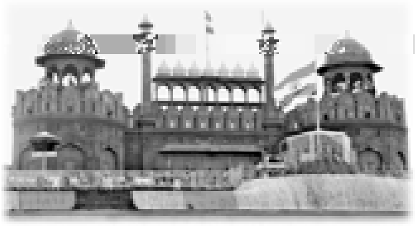

दिल्ली जाऊँगा
लालकिल्ला देखूँगा,
लालकिल्ला के सामने
रसगुल्ला खाऊँगा।

2. आओ पढ़ें और 'ल्ल', 'च्च' और 'न्न' में घेरा लगाएँ -

बल्ला	लालकिल्ला	रसगुल्ला
उच्च	उच्चारण	उच्चता
अन्न	उन्नति	अभिन्न

3. आओ संयुक्ताक्षरों को अलग करके खाली बॉक्स में संयुक्ताक्षर युक्त शब्दों को लिखें -

ल्ल → ल+ल→ ल ल	ल्ल	-	दिल्ली	
च्च → च+च→ च च	च्च	-	उच्च	
न्न → न+न→ न न	न्न	-	विभिन्न	

4. आओ नीचे के दोनों चित्रों को देखें। चित्र 1 के साथ चित्र 2 के बेमेल चीजों पर घेरा लगाएँ -

चित्र- 1

चित्र- 2

कार्यपत्र–2

सप्ताह–4

1. आओ वाक्यों को पढ़कर संयुक्ताक्षरों में घेरा लगाएँ –

दिल्ली भारत की राजधानी है।
दिल्ली में लालकिल्ला भी है।
लालकिल्ला के पास जुम्मा मस्जिद है।
दिल्ली में ऊँची ऊँची इमारतें हैं।
दिल्ली में विभिन्न पर्यटक घूमने आते हैं।

2. आओ संयुक्ताक्षर को अलग करके लिखें –

त्त	=	त + त	=	त्त	न्न	=	+	=	
क्क	=	+	=		ब्ब	=	+	=	
च्च	=	+	=		ट्ट	=	+	=	

3. आओ नीचे के चित्रों को देखकर संयुक्ताक्षर वाले चार शब्द लिखें –

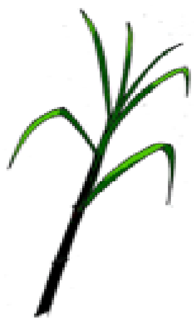

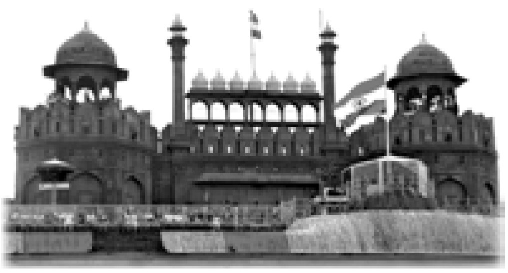

____

____

____

____